



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं  
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003



दिनांक: 01 दिसम्बर 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,  
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक               | 02/12/15    | 03/12/15    | 04/12/15              | 05/12/15              | 06/12/15              |
|-----------------------------------|-------------|-------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| वर्षा (मि.मी.)                    | 0           | 0           | 0                     | 0                     | 0                     |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)         | 31          | 31          | 30                    | 30                    | 30                    |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)        | 17          | 17          | 18                    | 17                    | 17                    |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा)          | 3           | 4           | 2                     | 2                     | 0                     |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 57          | 57          | 58                    | 54                    | 52                    |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम  | 17          | 18          | 18                    | 16                    | 16                    |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा)           | 3           | 4           | 2                     | 2                     | 3                     |
| हवा की दिशा                       | उत्तर-पूर्व | उत्तर-पूर्व | पूर्व-<br>उत्तर-पूर्व | पूर्व-<br>उत्तर-पूर्व | पूर्व-<br>उत्तर-पूर्व |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

जिन किसान भाईयों ने अभी तक गोहू की बुवाई नहीं की है वे जल्द से जल्द देर से बोई जाने वाली किस्मों राज-3077, राज-3765 व राज-3777 की बुवाई करें।

किसान भाई समय पर बोई गई गोहू की फसल में बुवाई के 20-25 दिन बाद प्रथम सिंचाई करें।

सरसों में सफेद रोली रोग के नियंत्रण के लिए मेटालेक्जिल 8 प्रतिशत व मेन्कोजेब की 2.5 ग्राम मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

किसान भाई सब्जियों में समय पर निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें।

पशुओं को रात्रि के समय पशुशाला में बांधें। पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य व दुग्ध उत्पादन के लिए 50 ग्राम नमक तथा 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु अवश्य दें तथा हरा चारा भी खिलाएं।

(नौडल ऑफीसर)